B.A (Hons) part-3

Subject- Hindi , Paper-7

UG

Topics - प्रयोजन मूलक हिन्दी से तात्पर्य एवं प्रयोग क्षेत्र

-Dr.Prafull Kumar, HOD,Hindi Department, RRS College Mokama PPU patna.

प्रयोजनमूलक हिन्दी (Functional Hindi)हिन्दी का वह स्वरुप है जो विज्ञान,तकनीकी,विधि,संचार एवं अन्यान्य गतिविधियों में प्रयुक्त होती है।इसे 'कामकाजी हिन्दी' भी कहा जाता है।

व्यक्ति द्वारा विभिन्न रूपों में प्रयोग की जाने वाली भाषा को भाषा-विज्ञानियों ने **सामान्य भाषा** और **प्रयोजनमूलक भाषा** इन दो भागों में विभक्त किया है।कुछ लोग भाषा को 'बोलचाल की भाषा', 'साहित्यिक भाषा' और 'प्रयोजनमूलक भाषा'-इन तीन भागों में विभाजित करते हैं।

जिस भाषा का प्रयोग किसी विशेष प्रयोजन के लिए किया जाय उसे 'प्रयोजनमूलक भाषा' कहा जाता है।यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि प्रयोजन के अनुसार शब्द-चयन,वाक्य-गठन और भाषा-प्रयोग बदलता रहता है।

इसे अन्य नामों से भी जाना जाता है-व्यावहारिक हिन्दी,कामकाजी हिन्दी, प्रयोजनी हिन्दी,प्रयोजनपरक हिन्दी, प्रायोगिक हिन्दी,प्रयोगपरक हिन्दी।

प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रयोग के विभिन्न क्षेत्र -

प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रयोग के कुछ प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं-

---

1-साहित्यिक क्षेत्र

साहित्य किसी भी भाषा की अनिवार्य आवश्यकता है। साहित्यिक भाषा काफी विशिष्टताएँ लिये होती हैं, इसलिए वह लेखकों तथा विशिष्ट पाठकों तक सीमित रहती है।साहित्यिक भाषा में जनसामान्य के जीवन के साथ-साथ दर्शन,राजनीति,समाजशास्त्र तथा संस्कृति का आलेख पाया जाता है। हिन्दी भाषा का साहित्यिक प्रयोग की परम्परा बहुत पुरानी है।

2-वाणिज्यिक क्षेत्र

वाणिज्य या व्यापार, हिन्दी भाषा के प्रयोग का दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसके अन्तर्गत व्यापार,वाणिज्य, व्यवसाय,परिवहन,बीमा,बैंकिग तथा आयात-निर्यात आदि क्षेत्रों का समावेश होता है।इन क्षेत्रों में प्रयुक्त भाषा अन्य क्षेत्रों में प्रयुक्त भाषा से काफी भिन्न होती है। हिन्दी भाषा का वाणिज्यिक प्रयोग क्षेत्र काफी विस्तृत है।

3-कार्यालयी क्षेत्र

हिन्दी भाषा की अत्यन्त आधुनिक एवं सर्वोपयोगी 'कार्यालयी' (Official) प्रयोग है। कार्यालयी हिन्दी का प्रयोग सरकारी,अर्ध-सरकारी और गैर-सरकारी कार्यालयों के काम-काज में होता है। हिन्दी में विवरण,टिप्पणी,पत्र,संक्षेपण, प्रतिवेदन,अनुवाद आदि कार्य होते हैं। प्रशासनिक भाषा और बोलचाल की भाषा में पर्याप्त अन्तर पाया जाता है। कार्यालयी भाषा की अपनी विशिष्ट पारिभाषिक शब्दावली,पद-रचना आदि होते हैं।

4-जनसंचार एवं विज्ञापन क्षेत्र

विज्ञापन और जन-संचार के क्षेत्र में हिन्दी का भरपूर उपयोग हो रहा है। आज हिन्दी के समाचार पत्र विश्व के सर्वाधिक पढ़े जाने वाले पत्र बन गए हैं। आकर्षक वाक्य-विन्यास, शब्दों का उचित चयन तथा वैशिष्टयपूर्ण प्रवाहमय भाषिक संरचना आदि विज्ञापन की भाषा के मुख्य तत्व हैं। वर्तमान युग में हिन्दी के विज्ञापन भाषा का रूप जन संचार के माध्यमों (समाचार-पत्र,पत्रिकाएँ,रेडियों,दूरदर्शन, सिनेमा) में आते हैं।

5-विधि एवं कानूनी क्षेत्र

इसके अन्तर्गत विधान (कानून), कानूनी प्रक्रिया (जैसे न्यायालय में बहस), निर्णय आदि की भाषा आती है। आज हिन्दी का उपयोग कई उच्च न्यायालयों में होने लगा है। सर्वोच्च न्यायालय में भी सभी निर्णयों का हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद प्रदान किया जा रहा है। विधि में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दावली के स्थान पर हिन्दी शब्दावली तैयार की गयी है और उसका उपयोग भी हो रहा है।

6-वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्र

वैज्ञानिक एवं तकनीकी हिन्दी से तात्पर्य हिन्दी के उस स्वरूप से है जिसका प्रयोग विज्ञान और तकनीकी विषयों को अभिव्यक्त करते के लिए किया जाता है। १९६१ में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन वैज्ञानिक और तकनिकी शब्दावली आयोग की स्थापना की गई।विज्ञान एवं टेक्नोलाजी की भाषा सामान्य व्यवहार की भाषा से सर्वथा भिन्न होती है। अतः इसके लिए हिन्दी,संस्कृत,के साथ अन्तर्राष्ट्रीय शब्दावली का निर्माण किया गया।

****